बिहार में दो आर्द्रभूमियों को रामसर स्थल के रूप में किया घोषित

चर्चा में क्यों?

भारत ने बिहार से दो नई आर्द्रभूमि— **बक्सर में गोकुल जलाशय** और **पश्चिम चंपारण में उदयपुर झील** — को अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के रामसर सम्मेलन स्थलों की वैश्विक सूची में शामिल किया है।

- इन स्थलों के जुड़ने के साथ, भारत के रामसर स्थलों की संख्या अब **93** हो गई है, जो 13,60,719 हेक्टेयर क्षेत्रफल को कवर करती हैं। यह **एशिया में अपनी शीर्ष स्थान** बनाए रखते हुए वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है, जबकि यूके (176) और मेक्सिको (144) पहले और दूसरे स्थान पर हैं।

प्रमुख बिंदु

- **गोकुल जलाशय, बक्सर जिला:**
  - **प्रकार:** गंगा **नदी** के **दक्षिणी किनारे** स्थित ऑक्सबो झील।
  - **पारिस्थितिक भूमिका:** पास के गाँवों के लिये प्राकृतिक बाढ़ अवरोधक का कार्य करता है और 50 से अधिक पक्षी प्रजातियों के लिये निवास स्थान प्रदान करता है।
  - **सामुदायिक संपर्क: मत्स्यन**, **कृषि** और **सिंचाई** के माध्यम से आजीविका प्रदान करता है।
  - **स्थानीय परंपरा:** गाँववाले प्रत्येक वर्ष एक **उत्सव** के दौरान जलग्रहण क्षेत्र की सफाई करते हैं।
- **उदयपुर झील, पश्चिम चंपारण जिला:**
  - **प्रकार:** गाँव के चारों ओर स्थित ऑक्सबो झील।
  - **जैव विविधता:** यहाँ **280 पादप प्रजातियाँ** पाई जाती हैं, जिनमें **एलसिकार्पस रॉक्सबर्गियानस (Alysicarpus roxburghianus)** (भारत के लिये स्थानीय) भी शामिल है।
    - यह **35 प्रवासी पक्षी प्रजातियों** के लिये एक महत्त्वपूर्ण शीतकालीन निवास स्थान है, जिनमें **संकटग्रस्त कॉमन पोचार्ड** भी शामिल है।
- **परिचय:** ये **दलदली**, **फेन**, **पीटलैंड** अथवा **जल** क्षेत्र **(प्राकृतिक या कृत्रिम)** होते हैं, जिनमें **स्थिर** या **प्रवाहित जल** पाया जाता है, जिनमें **छह मीटर से अधिक गहराई वाले समुद्री क्षेत्र शामिल** हैं।
  - आर्द्रभूमियाँ एक पारिस्थितिक इकोटोन **(Ecotone)** हैं, जिसमें **स्थलीय** और **जलीय पारिस्थितिक तंत्रों** के बीच संक्रमणकालीन भूमि होती है।
- **रामसर कन्वेंशन:** इसे यह वर्ष **1971** में **ईरान के रामसर** में अपनाया गया था और यह **आर्द्रभूमि संरक्षण और विवेकपूर्ण उपयोग** के लिये एक वैश्विक रूपरेखा प्रदान करता है। **भारत वर्ष 1982 में इसमें शामिल हुआ।**
  - मॉन्ट्रो रिकॉर्ड (संकटग्रस्त सूची) में उन आर्द्रभूमियों को शामिल किया जाता है, जिनका **पारिस्थितिक स्वरूप** मानवीय गतिविधियों या प्रदूषण के कारण बिगड़ रहा है। भारत की **दो आर्द्रभूमियाँ** मॉन्ट्रो रिकॉर्ड में शामिल हैं:
    - **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान (1990): यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल।**
    - **लोकटक झील, मणिपुर (1993):** पूर्वोत्तर भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील, जो अपनी **फुमडी (Phumdis)** (वनस्पति, मृदा और कार्बनिक पदार्थों के तैरते हुए समूह) के लिये जानी जाती है।
  - चिल्का झील को वर्ष **1993** में मॉन्ट्रो रिकॉर्ड में शामिल किया गया था, लेकिन वर्ष 2002 में इसे बाहर (एशिया की पहली आर्द्रभूमि जिसे सूची से हटाया गया) कर दिया गया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/two-wetlands-in-bihar-designated-as-ramsar-sites